"यमुना सत्याग्रह 2008"

आयोजक - श्री गुरु वशिष्ठ मानव सर्वांगीण विकास सेवा समिति

स्थान हाथीघाट, आगरा दिनांक 13-6-2008 से अनिश्चितकालीन)

सेवा में,

मुख्यमंत्री

.....

दिल्ली

.....

मान्यवर,

हम सबने जीवन के मूल आधार पानी, वायु तथा पृथ्वी के प्रदूषण को तमाम प्रकार के जाने अनजाने गुनाह करते हुए नजर अन्दाज कर दिया है जिसके फलस्वरूप हमारी जीवन दायिनी नदियां गन्दी, मैली होकर अपना बजूद खोने की कगार पर आ गई है । भारत को आजाद हुए 60 वर्ष हो गये इस दरम्यान हमने विश्व के विकासशील देशों में अपनी ख्याति दर्ज करा ली है। ब्रहमाण्ड के अनेको ग्रहों से लेकर पाताल तक में अनेकों खोज उपलब्धियां प्राप्त कर ली है। जंगल खेतों को मिटाकर शहरीकरण वायु तथा पृथ्वी के प्रदूषण को दिन प्रतिदिन बढ़ावा दे रहा है। प्रदूषण के नाम पर आज विश्वव्यापी हो हल्ला मच रहा है। हमारे देश में भी बहुत कागजी शोर व कान हो रहा है परन्तु करोड़ों अरबों रूपये खर्च करने के बाबजूद भी हमारी नदियां गंगा यमुना की स्थिति दिन प्रतिदिन और बिगड़ती जा रही है, ज्यों ज्यों दवा की मर्ज बढ़ता ही गया। पिछले 60 वर्षो में देश प्रदेशों की न जाने कितनी सरकारें बदली, प्रदेश के मुख्यमंत्री बदले, सांसद और प्रशासन बदले, पर न बदली तो हमारी पवित्र नदियों की दशा । अत तो ऐसा लगने लगा है कि हमारे देश में छोटा गुनाह पाप है बड़ा गुनाह माफ है किसी पेय पदार्थ या खाद्य सामग्री में मिलावट या गंदगी पाये जाने पर उसमें दोषी व्यक्ति को कानून की सख्त धाराओं में सजा दी जाती है जबकि देशों के हजारों नाले सीधे गिराकर जीवन दायिनी नदियों में रसायन जहर व गंदगी बहा रहे हैं तो किसी के भी कान पर जूँ नहीं। यह हमारे देश का कैसा दुर्भाग्य है।

इस भयावह स्थिति से निपटने परम पावन गंगा की धारा को निर्वाध बहने देने के लिए प्रख्यात पर्यावरणविद एवं सन्त प्रोफेसर जी0डी0 अग्रवाल मणिकार्णिका घाट,

क्रमंशः.....2

उत्तरकाशी में आमरण अनशन पर बैंठे थे । आगरा में यमुना की दुर्दशा से आंदोलित हुए पं0 अश्विनी कुमार मिश्र के साहचर्य (नेतृत्व) में यमुना सत्याग्रह (अनिश्चित कालीन) क्रमिक अनशन का शुभारम्भ दिनांक 13-06-2008 दिन शुक्रवार को प्रातः 9.00 बजे से हाथी घाट जन मानस के योगदान से अनवरत रूप से चल रहा है। यमुना के सम्बन्ध में केन्द्रीय व प्रान्तीय शासन, प्रशासन के समक्ष हमारी मॉगे निम्नवत् है :-

1- सन् 1994 में हुई त्रिपक्षीय एम0ओ0यू0 जो हरियाणा, दिल्ली, उ0प्र0 के मध्य निरंतर यमुना में निश्चित मात्रा में प्राकृतिक जल प्रवाह बनाये रखने के सम्बन्ध में थी इसका अनुपालन सुनिश्चित हो ।

2- सन् 1978 में यमुना में आई बाढ़ का विस्तार क्षेत्र (Flood Plain) चिन्हांकित किया जाये।

3- यमुना नदी प्राधिकरण की स्थापना की जाये जो उन सभी राज्यों जिनमें से होकर यमुना नदी प्रवाहित होती है को नियंत्रित एवं समन्वित करके यमुना नदी को प्रदूषण रहित रखें व उस पर कोई प्रतिक्रमण न होने दे तथा यमुना के मूल Eco System को पुनः स्थापित किया जाये ताकि जन साधारण को शुद्ध पेय जल उपलब्ध कराने के साथ-साथ युमना को सदानीरा एवं स्वच्छ बनाये रख सकें।

4- जेनुरम मे प्रस्तावित रिवर फ्रन्ट डबलपमेंट के अनुसार आगरा में यमुना के घाटों **जैसे बल्केश्वर घाट, हाथी घाट, पोइया घाट, कैलाश घाट व अन्य प्राचीन घाटों** एवं बगीचों पार्को का पुनः निर्माण एवं सौन्दर्यीकरण किया जाये ।

5- ओद्यौगिक एवं घरेलू अपशिष्ट का शुद्धीकरण प्राकृतिक तरीके से निर्धारित मानकों के अनुरूप शोधन को विकेन्द्रीयकृत करके किया जाये ।

6- प्राकृतिक खादरों तथा यमुना में मिलने वाले बरसाती नदी व नालों में छोटे छोटे चैक डेम बनाकर वर्षा के जल को रोककर वाटर हार्वेस्टिंग रीचार्ज किया जाये।

7- प्रभावी रिवर पुलिस की व्यवस्था की जाये ।

क्रमंशः.....3

8- यमुना खादर पर कदम्ब, गूलर, अर्जुन, पीपल, जामुन, बेल आंवला, नीम आदि वृक्षों का योजनावद्ध तरीके से घना रोपण किया जाये एवं उसे 3 वर्षो तक संरक्षित किया जाये । यमुना के दोनों किनारों पर एच0एफ0एल0 को छोड़कर हरियाली पट्टी दिल्ली की तरह कानून बनाकर बनाई जाये ।

9- यमुना खादर व बाढ़ विस्तार क्षेत्र में अतिक्रमण रोका जाये व यमुना खादर को भूजल नियंत्रित करने हेतु स्वतंत्र रखा जाये ।

10- घर से निकलने वाली हर नाली व शहर के नालों में गली पिट व जाली लगाकर बनायें जिससे नदी में कीचड़ व कचरा दोंनो को जाने से रोका जा सके। हर घर एवं दुकानों व प्रतिष्ठानों पर डस्टबिन रखना सुनिश्चित किया जायें।

11- प्रदूषित रसायन युक्त विषाक्त पदार्थ किसी भी कीमत पर नदियों तक न पहुँचने दें ये प्राकृतिक संतुलन बिगाड़ने का प्रमुख कारण हैं। जल शुद्ध करने वाले जलचर जीव व वनस्पति इससे मर जाते हैं।

AK Mishra

(पं0 अश्विनी कुमार मिश्र)
संस्थापक अध्यक्ष
16/25, रावतपाड़ा, आगरा
मो0 9411923353, 0562-2466787